



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 8 जुलाई, 2005/17 भाषाढ़, 1927

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

दिनांक, शिमला-171004, 25-6-2005

संख्या वि० स० फिन०(फंसी-पूर्व विधायक) 212/03. अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विधान सभा, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के (सदस्यों के भत्ते और पेंशन) अधिनियम, 1971 की धारा 7 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भूतपूर्व सदस्यों के भवन निर्माण और मोटर कार अधिनियम को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

हिमाचल प्रदेश विधान सभा भूतपूर्व सदस्यों के (भवन निर्माण और मोटर कार के लिये अधिनियम) नियम, 2005

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा भूतपूर्व सदस्यों के (भवन निर्माण और मोटर कार के लिए अधिनियम) नियम, 2005 होगा ।

(2) ये नियम, 17 मई, 2005 से लागू होंगे ।

2. परिभाषाएं :

इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

- (क) "अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश विधान सभा के (सदस्यों के भते एवं पैशन) अधिनियम, 1971 अभिप्रेत है ।
- (ख) "सचिव" से हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय के सचिव अभिप्रेत है;
- (ग) "सम्परीक्षा अधिकारी" से महालेखाकार (लेखा परीक्षा) हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है ;
- (घ) "प्रारूप" से इन नियमों में संलग्न किये गये प्रारूप अभिप्रेत है ;
- (ङ) "मंजूरी प्राधिकारी" से हिमाचल प्रदेश विधान सभा का अध्यक्ष अथवा इस निमित्त उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी अभिप्रेत है ;
- (च) "भूतपूर्व सदस्य" से भूतपूर्व मुख्य मंत्री/भूतपूर्व मंत्री/भूतपूर्व राज्य मंत्री/भूतपूर्व उप मंत्री/भूतपूर्व विधान सभा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष, भूतपूर्व मुख्य संसदीय सचिव/संसदीय सचिव तथा विधान सभा के अन्य भूतपूर्व सदस्य अभिप्रेत हैं;
- (छ) इन नियमों में प्रयुक्त शब्दावली और पदावलियों, जिन की यहां परिभाषा नहीं दी गई है, के अर्थ वही होंगे, जो अधिनियम में दिए गए हैं ।

भवन निर्माण

3. अग्रिम कब अनुज्ञेय होगा :

ऐसे भूतपूर्व सदस्य को, जिन्होंने सदस्य के रूप में गृह निर्माण अग्रिम की सुविधा प्राप्त नहीं की है, गृह निर्माण अथवा निर्मित भवन कर हेतु प्रदा-1 में आवेदन करने पर प्रतिदेय अग्रिम धनराशि दी जा सकेगी ।

4. अग्रिम की अधिकतम सीमा :

भूतपूर्व सदस्य को भवन निर्माण अथवा निर्मित भवन कर हेतु अग्रिम की अधिकतम राशि पांच लाख रुपये या वास्तविक कीमत या भवन निर्माण की लागत, जो भी कम हो, अधिक नहीं होगी :

परन्तु यदि पूर्व सदस्य ने इन नियमों के नियम 9 के अधीन मोटर कार अग्रिम ले रखा हो , तो भवन निर्माण अग्रिम की कुल राशि की परिमिता पूर्व सदस्य द्वारा पहले से लिए गए मोटर कार अग्रिम सहित पांच लाख रुपये से अधिक नहीं होगी ।

5. अदायगी की विधि :

इन नियमों के अधीन अनुज्ञेय अग्रिम राशि की अदायगी अधोलिखित विधि से की जायेगी :--

1. अपने स्वयं के भवन निर्माण हेतु ।

- (क) पहली किश्त निर्माण कार्य आरम्भ करने के लिए स्वीकृत धनराशि के 50% के बराबर ।
- (ख) दूसरी तथा अन्तिम किश्त जब भवन छत की सतह तक पूर्ण हो जाये, तो स्वीकृत कुल अग्रिम धन राशि का शेष 50%.

2. निर्मित भवन खरीबने हेतु.--स्वीकृत राशि एक मुश्त में ।

टिप्पणी :—

भूतपूर्व सदस्य द्वारा यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जायेगा कि उसके द्वारा प्राप्त की गई धनराशि का प्रयोग उसी प्रयोजन के लिए किया गया है, जिसके लिए यह अग्रिम राशि उसे दी गई थी। यह प्रमाण-पत्र उक्त प्रयोजन के लिए वास्तविक उपयोगिता प्रमाण-पत्र माना जायेगा।

6. अग्रिम की वसूली :

1. स्वीकृत अग्रिम धनराशि तथा उस पर लगे ब्याज की वसूली अधिकतम माठ मासिक समान किश्तों में की जायेगी। यदि भूतपूर्व सदस्य स्वयं ऐसा चाहे तो अग्रिम कम किश्तों में वसूली के आदेश दे सकेंगे। अग्रिम की कटौती, प्रथम किश्त अथवा एक मुश्त अग्रिम राशि प्राप्त करने के पश्चात् मिलने वाली प्रथम पेंशन में आरम्भ की जायेगी। मूलधन और ब्याज की वसूली साथ-साथ होगी।

2. स्वीकृत अग्रिम राशि पर 5% (पांच प्रतिशत) की दर पर साधारण ब्याज प्रभारित होगा।

3. भूतपूर्व सदस्य द्वारा लिये गये अग्रिम तथा उस पर लगे ब्याज की मासिक किश्तों की कटौती उन्हें देय पेंशन से की जा सकेगी। यदि पेंशन से मूलधन और ब्याज की नियमित किश्तों की वसूली सम्भव न हो तो उसकी शेष राशि की अदायगी उन्हें सरकारी कोष में नकद जमा करवानी होगी और इस भुगतान के प्रमाण के रूप में उन्हें चालान की एक प्रति विधान सभा सचिवालय को अभिलेख हेतु उपलब्ध करवानी होगी;

और यह भी कि यदि कोई भूतपूर्व सदस्य पुनः विधान सभा सदस्य निर्वाचित होता है तो वसूली उनको मिलने वाले भतन और भत्तों से की जा सकेगी।

4. अग्रिम धनराशि और उस पर लगे ब्याज की सम्पूर्ण वसूली से पूर्व भूतपूर्व सदस्य की मृत्यु की दशा में उक्त वसूली पारिवारिक पेंशन या विधिक प्रतिनिधि द्वारा नियमित रूप से मासिक किश्तों में सरकारी खजाने में जमा की जायेगी जिसके प्रमाण में खजाने के चालान की प्रति विधान सभा सचिवालय को प्रेषित करनी होगी।

5. यदि, यथास्थिति, भूतपूर्व सदस्य या उसका विधिक प्रतिनिधि, अग्रिम के मूलधन अथवा उस पर ब्याज की मासिक किश्तों की नियमित अदायगी नहीं करता है अथवा यदि वह (वे) दिवालिया हो जाता है/जाते हैं या ऋण की अदायगी के नियमों तथा शर्तों के अनुपालन या पालन करने में विफल होता है/होते हैं तो विधान सभा सचिवालय को उपरोक्त बकाया राशि (मूलधन एवं ब्याज) भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल करने की स्वतन्त्रता होगी।

7. ऋण के भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए बन्धक विलेख के निष्पादन का उत्तरदायित्व :

क्योंकि अग्रिम से निर्मित भवन एवं सम्बन्धित भूमि, सम्पूर्ण ब्याज सहित अग्रिम अदायगी न होने तक सरकारी संपत्ति होगी अतः उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भूतपूर्व सदस्य का यदि अग्रिम धनराशि और उस पर लगे ब्याज के पूर्ण प्रतिसंदाय से पूर्व ही निर्धन हो जाता है तो उसके फलस्वरूप सरकार को होने वाली हानि से प्रतिभूत करने हेतु उस भवन को जो अग्रिम राशि से निर्मित किया गया है अथवा खरीदा गया है, भूमि सहित, जिस पर वह भवन है, इन नियमों में संलग्न प्ररूप-2 पर हिमाचल प्रदेश सरकार के पास बंधक रखा जायेगा, जिसे यथास्थिति पहली किश्त अथवा एक मुश्त राशि के भुगतान से पूर्व प्रस्तुत किया जायेगा तथा अग्रिम राशि की ब्याज सहित पूरी अदायगी के पश्चात् बंधक को इन नियमों में संलग्न प्ररूप-3 पर प्रतिहस्तांतरण विलेख के निष्पादन पर मुक्त किया जायेगा। बंधक विलेख निष्पादन होने पर मंजूरी प्राधिकारी उस भूमि पर, जिस पर, वह भवन खड़ा है या उसे निर्मित करने का प्रस्ताव है, आवेदक के हक की शुद्धता में अपने आपको संतुष्ट करेगा।

8. परिसर को अच्छी अवस्था में रखने तथा आग के जोखिम आदि के लिए बीमा करवाने का बाध्यत्व :

भूतपूर्व सदस्य अपने खर्च पर भवन को अच्छी अवस्था में रखेगा। वह इसका आग, बाढ़ आदि से होने वाली हानि के विरुद्ध इतनी राशि तक का बीमा करवायेगा, जो कि स्वीकृत अग्रिम धनराशि से कम न हो, तथा इस प्रयोजन का वार्षिक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा।

मोटर कार अग्रिम

9. अग्रिम कब अनुज्ञेय होगा :

ऐसे भूतपूर्व सदस्य जिसने सदस्य के रूप में मोटर कार अग्रिम की सुविधा प्राप्त नहीं की है, को आवेदन करने पर प्रतिदेय अग्रिम धनराशि दी जा सकेगी।

10. अग्रिम की अधिकतम राशि :

भूतपूर्व सदस्य को मोटर कार अग्रिम की अधिकतम सीमा पांच लाख रुपये या क्रय की जाने वाली मोटर कार का वास्तविक मूल्य, जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगी।

परन्तु पूर्व सदस्य ने यदि इन नियमों के नियम 3 के अधीन गृह निर्माण हेतु अग्रिम ले रखा हो तो मोटर कार अग्रिम की कुल राशि की परिसीमा पूर्व सदस्य द्वारा पहले से लिए गए गृह निर्माण अग्रिम सहित पांच लाख रुपये से अधिक नहीं होगी।

11. अवधि जिसके भीतर कार खरीदने के लिए वार्ता पूर्ण की जा सकेगी :

जो भूतपूर्व सदस्य मोटर कार खरीदने के लिए अग्रिम लेता है, वह अग्रिम लेने की तिथि से एक महीने के भीतर मोटर कार की खरीद की वार्ता पूर्ण करेगा और मोटर कार के लिए पूर्ण अदायगी करेगा, ऐसी सम्पूर्ति या अदायगी न होने पर अग्रिम की सम्पूर्ण राशि, एक महीने के व्याज सहित सरकार को वापिस की जायेगी। तथापि व्यवितगत मामलों की दशा में अध्यक्ष द्वारा स्वयंस्वरूप की सम्पूर्ति के लिए एक महीने की अवधि को बढ़ाया जा सकेगा। यदि मोटर कार पहले में खरीदी गई हो, तो अग्रिम अनुज्ञेय नहीं होगा। उस दशा में जिसमें अदायगी अंशतः की गई हो, अग्रिम राशि पूर्व सदस्य द्वारा प्रमाणित असंदेह बकाया तक ही सीमित होगी।

12. करारनामा तथा उसके बन्धक पत्र का प्रस्तुतीकरण :

अग्रिम लेने से पहले पूर्व सदस्य प्ररूप-4 पर करारनामा प्रस्तुत करेंगे तथा तत्पश्चात् मोटरकार के क्रय की औपचारिकताएं पूर्ण कर अग्रिम की प्रनिपूर्ति के लिए न केवल क्रय की गई मोटर कार को सरकार के पास बन्धक रखने के लिए प्ररूप-5 पर बन्धक-पत्र निष्पादित करेंगे। मोटर कार की कीमत बन्धक-पत्र के साथ संलग्न अनुसूची के विनिर्देशों में दर्ज की जाएगी।

13. अग्रिम की वसूली :

(क) इन नियमों के नियम 10 के अधीन स्वीकृत अग्रिम की वसूली, व्याज सहित 60 समान किश्तों में की जाएगी। परन्तु पूर्व सदस्य के स्वयं आवेदन करने पर, अध्यक्ष, परिस्थितियों के दृष्टिगत अधिक संख्या की किश्तों में वसूली के आदेश दे सकते हैं। कटौती, पूर्व सदस्य द्वारा अग्रिम लेने के उपरान्त मिलने वाली प्रथम पैन्शन से प्रारम्भ की जाएगी। मूलधन और व्याज की वसूली साथ-साथ होगी।

(ख) स्वीकृत अग्रिम राशि पर 5 प्रतिशत (पांच प्रतिशत) की दर से साधारण व्याज प्रभावित होगा।

(ग) यदि किन्हीं कारणों से वह पैनशन का हकदार नहीं रहता, मासिक किश्तें तथा व्याज की राशि नियमित रूप से सरकारी कोष में प्रतिमास जमा करवानी होगी तथा प्रमाण के तौर पर चानानों की प्रतियां इस सचिवालय को नियमित रूप से उपलब्ध करवानी होगी।

(घ) अग्रिम धनराशि और उस पर प्रोद्भूत व्याज की वसूली से पहले ही पूर्व सदस्य की मृत्यु की दशा में वसूली पारिवारिक पैनशन से सम्बन्धित कोषाधिकारी द्वारा की जाएगी। पारिवारिक पैनशन न लगने की स्थिति में वसूली सदस्य के विधिक उत्तराधिकारी/उत्तराधिकारियों द्वारा अग्रिम पर प्रोद्भूत व्याज सहित अग्रिम की शेष राशि एक मुश्त सरकारी कोष में जमा करवाई जायेगी और समस्त राशि के जमा किए जाने के प्रमाण में चालान की प्रति विधान सभा सचिवालय को प्रस्तुत करनी होगी।

(च) यदि यथास्थिति, पूर्व सदस्य या उसका विधिक प्रतिनिधि, अग्रिम के मूलधन अथवा उस पर व्याज की मासिक किश्तों की नियमित अदायगी नहीं करता है, या यदि वह (वे) दिवालिया हो जाता है/जाते हैं या ऋण की अदायगी के नियमों और शर्तों के अनुपालन या पालन करने में विफल रहता है/रहते हैं, तो विधान सभा सचिवालय को उपरोक्त बकाया राशि को "भू-राजस्व के बकाया" के रूप में वसूल करने की स्वतन्त्रता होगी।

14. मोटर कार का विक्रय :

(क) नई मोटर कार सरकार के पास बन्धक रहेगी और बीमाकृत होगी।

(ख) अग्रिम व उस पर प्रोद्भूत व्याज सहित पूर्णतः प्रतिसंदाय से पहले ऋण से ऋण की गई मोटर कार को विक्रय नहीं किया जा सकता परन्तु किन्हीं विशेष परिस्थितियों में यदि ऐसा करना आवश्यक हो तो इसके लिए अध्यक्ष की अनुमति अनिवार्य होगी तथा उस स्थिति में बकाया प्रतिशेष के प्रतिसंदाय हेतु, जहां तक आवश्यक हो, विक्रय आगम प्रयुक्त की जाएगी।

15. संपरीक्षा अधिकारी को प्रमाण-पत्र का प्रस्तुत किया जाना :

जब अग्रिम लिया जाता है, तो सम्परीक्षा अधिकारी को सम्मानित प्राधिकारी यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि अग्रिम लेने वाले सदस्य ने प्ररूप-4 में करार को हस्ताक्षरित कर लिया है। वह नियमानुसार पाया गया है। मंजूरी प्राधिकारी देखेगा कि मोटर कार अग्रिम लेने की तिथि से एक महीने के भीतर या ऐसी अवधि में, जैसी नियम-11 के अधीन कार्रवाई सम्पूर्ण करने के लिए अध्यक्ष द्वारा व्यक्तिगत मामलों में विनिर्दिष्ट अनुज्ञात है। खरीद ली गई है और बंधकपत्र, को तत्परता से सम्परीक्षा अधिकारी को अन्तिम अभिलेख से पूर्व परीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

16. मोटर कार का बीमा :

अग्रिम से खरीदी गई मोटर कार का अग्नि, चोरी या दुर्घटना द्वारा पूर्ण हानि के विरुद्ध किसी साधारण बीमा कारोबार करने वाली कम्पनी/बीमा निगम के साथ बीमा किया जायेगा। बीमा पालिसी के प्ररूप-6 के अनुसार खण्ड होगा, जिसमें निगम, मोटर कार की हुई हानि या क्षति जिसकी प्रतिपूर्ति, मूर्त्त, यथा पूर्वकरण या प्रतिस्थापन द्वारा नहीं की गई हो, की बाबत कोई राशि स्वामी की अपेक्षा सरकार को देने का करार करती है। ऐसा बीमा ऋण की तिथि से एक महीने के भीतर प्रभावी होगा।

17. सुरक्षित अभिरक्षा और बंधकपत्र को रद्द किया जाना :

बंधक-पत्र, मंजूरी प्राधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जायेगा। जब अग्रिम का, उस पर व्याज सहित, पूर्ण रूप में प्रतिसंदाय कर दिया जाये, तो बंधक पत्र को सम्परीक्षा अधिकारी से अग्रिम और व्याज के सम्पूर्ण प्रति-संदाय का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर और सम्यक् रूप से रद्द कर पूर्व सदस्य को वापिस किया जायेगा।

18. निरसन और व्यावृत्तियाँ :

(क) हिमाचल प्रदेश विधान सभा भूतपूर्व सदस्यों के (भवन निर्माण के लिए ऋण अग्रिम) नियम, 2003, का एतद्वारा निरसन किया जाता है।

(ख) इन नियमों के अधीन की गई कोई बात, या कार्रवाई तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन विधिमान्य रूप में की गई समझी जायेगी।

आवेदन द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

सचिव,

हिमाचल प्रदेश विधान सभा।

प्रारूप-1

(नियम 3 देखें)

भवन निर्माण हेतु अग्रिम धनराशि के लिए आवेदन का प्रारूप

1. भूतपूर्व सदस्य का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)
2. अपेक्षित अग्रिम की धनराशि या निदिष्ट करते हुए कि क्या
- (1) भवन निर्माण के लिए अपेक्षित, अथवा
- (2) बने हुए मकान के लिए अपेक्षित है
3. स्थान, जहाँ पर भवन बनाया जाना है, और यदि बने हुए भवन की खरीद के लिए अपेक्षित हो, तो भवन की लागत के उचित होने के संबंध में वास्तुकार अर्थात् आर्किटेक्ट का प्रमाण-पत्र साथ लगाया जाए।
4. किशतों की संख्या जिसमें धनराशि ली जानी प्रस्तावित है अथवा एक मुश्त में
5. ब्याज सहित अग्रिम की वापसी के लिए प्रस्तावित किशतों की संख्या
6. क्या यह प्लॉट जिस पर भूतपूर्व सदस्य भवन निर्माण का इरादा रखता है, उसके स्वामित्व और कब्जे में है
7. प्लॉट/जमीन जिस पर आवेदक भवन निर्माण का इरादा रखता है, पर उसके हक का प्रमाणित सबूत
8. समय जिसके अन्तर्गत भूतपूर्व सदस्य भवन निर्माण का कार्य आरम्भ करेगा और उसके पूरा होने की अवधि

प्रमाणित करना हूँ कि उपर्युक्त सूचना मेरी पूरी जानकारी के अनुसार सही है और मैं बने हुए भवन/प्लॉट जिस पर भवन बनाया जाना है, की बन्धक रखूंगा और बन्धक-पत्र निष्पादित तथा पंजीकृत करवाऊंगा।

मैं यह भी प्रमाणित करना हूँ कि क्षेत्रीय परिषद् या विधान सभा का सदस्य रहते मैंने गृह निर्माण हेतु कोई अग्रिम विधान सभा सचिवालय/हिमाचल प्रदेश सरकार से नहीं लिया है।

(भूतपूर्व सदस्य के हस्ताक्षर)

दिनांक:

संलग्नक :

प्रकरण-2

(नियम 7 देखें)

भवन निर्माण अधिनियम के लिए बन्धक-पत्र

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री जो कि हिमाचल प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य हैं (जिसे इसके पश्चात् बन्धककर्ता कहा गया है और इसके अन्तर्गत जहां संदर्भ के अनुकूल हैं, उसके वारिस, प्रशासक, निष्पादक, समनुदेशित विधिक प्रतिनिधि और भी सम्मिलित हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में हिमाचल प्रदेश राज्यपाल (जिसे इसमें इसके पश्चात् "बन्धकदार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत जहां संदर्भ के अनुकूल हैं, उनके उत्तरवर्ती और समनुदेशित भी सम्मिलित हैं) आज दिनांक को किया गया है।

चूंकि एतद्द्वारा स्वत्वान्तरित, हस्तान्तरित और वीमाकृत की जाने वाली भूमि दाय और परिमरों, जिन्हें इसमें आगे वर्णित और अभिव्यक्त किया गया है (इसमें इसके पश्चात् "उक्तदाय" कहा गया है) पर बन्धककर्ता का निरंकुश रूप में अभिग्रहण और कब्जा है अथवा अगत्या रूप में उस का सही हकदार है।

और क्योंकि बन्धक ने बन्धकदार को अपने निजी प्रयोग के लिए अपना भवन बनाने हेतु/निवर्निमित भवन खरीदने हेतु रुपये (.....) की अधिम धनराशि के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

और चूंकि हिमाचल प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों के (भवन निर्माण के लिए अधिम ऋण) नियम, 2003 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है और इसके अन्तर्गत जब तक कि संदर्भ के अनुकूल है, वर्तमान प्रवृत्त नियम, उनका कोई संशोधन या उसमें कोई परिवर्तन भी आता है) के उद्देश्यों के अधीन बन्धकदार बन्धककर्ता को रुपये (.....) की उक्त रकम अधोलिखित रूप में भुगतान योग्य अधिम धनराशि के रूप में देने को सहमत है:—

- (क) निर्माण कार्य आरम्भ करने के लिए रुपये।
- (ख) भवन को छत की सतह तक पूर्ण कर लेने के पश्चात् रुपये।
- (ग) अथवा एक मुश्त राशि के रूप में रुपये।

यह करार इस बात का साक्षी है कि उक्त करार के अनुसरण में और बन्धकदार द्वारा बन्धककर्ता को इसमें पूर्व उल्लिखित खर्चों को करने में सशक्त बनाने के प्रयोजन से इस करार के निष्पादन के पश्चात् या उससे पहले प्रदत्त रुपये (.....) (जिसकी पावती बन्धककर्ता एतद्द्वारा स्वीकार करता है) और ऐसी और धनराशि जो इस करार में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसरण में बन्धकदार द्वारा बन्धककर्ता को दी जाएगी और उस पर उक्त नियमों में निर्धारित रीति में संगणित व्याज जिसकी पुनः अदायगी के लिए बन्धककर्ता एतद्द्वारा प्रसंविदा करता है और इसके प्रतिफल के लिए यह करार करता है,

और यह करार इस बात का साक्षी है कि पूर्वोक्त प्रतिफल के लिए बन्धककर्ता बन्धकदार को इस सारे भूखण्ड को जो बन्धककर्ता के लगभग कब्जे में है तथा जो जिले पंजीकरण जिला के में स्थित है तथा जो उत्तर में पूर्व में ।

.....से दक्षिण में.....से तथा पश्चिम में.....से
परिसीमित है एवं उस पर अब उस बनाए गए रिहायशी मकान अथवा इसके पश्चात् बनाए जाने वाले रिहायशी
मकानों के साथ उक्त दाय के सभी अधिकार, सुखाधिकार, अनुबन्ध और उक्त भूमि के खण्ड पर इसके पश्चात्
खड़े किए गए या बनाए गए मकानों को बन्धकदार और उसकी ओर से पूर्ण प्रयोग के लिए इसमें इसके पश्चात्
निहित परन्तुक में दिए गए विमोचन के उपबन्धों के अधधीन रहते हुए स्वत्वतौरित, हस्तान्तरित और आश्वस्त करता
है।

सर्वथा यह भी करार किया जाता है कि यदि और ज्यों ही इस करार में उल्लिखित प्रतिभूति पर प्रदत्त की गई
उक्त अग्रिम धनराशि.....रुपये (और ऐसी अन्य रकमें जिनका यथा पूर्वोक्त
भुगतान किया गया हो) और उक्त नियमों में उपबंधित व्यवस्था या किसी अन्य रीति से उस पर संगणित व्याज यदि
वापिस लिया जाता है, तब और ऐसी स्थिति में बन्धकदार बन्धककर्ता के प्रार्थना किए जाने पर बन्धककर्ता
के प्रयोग के लिए अथवा जैसा वह निर्देश दे, लागत पर उक्त दाय को पुनः स्वत्वान्तरित, पुनः हस्तान्तरित और
पुनः आश्वस्त करेगा और इस द्वारा करार अथवा घोषणा की जाता है कि यदि बन्धककर्ता करार को भंग करता
है और यदि उक्त रकम.....रुपये और कोई अन्य रकमें जिनका यथापूर्व भुगतान
किया जाना हो और यदि उक्त नियमों के अनुसार संगणित व्याज के भुगतान से पहले उसकी मृत्यु हो जाती है तो
इस प्रकार की समस्त स्थितियों में बन्धकदार द्वारा उक्त दाय को या उसके किसी अंश के इकट्ठे या आंशिक
रूप से सार्वजनिक नीलामी या निजी संविदा द्वारा बेचना विधिमान्य होगा, उसे इसको बेचने की शक्ति प्राप्त
होगी तथा ऐसे विक्रय से हुई हानि के प्रति वह उत्तरदायी नहीं होगा।

और वह ऐसे किसी विक्रय, जिसे बन्धकदार उपयुक्त समझे, को करने और उसके लिए आवश्यक सभी कार्यों तथा
आश्वासनों को कार्यान्वित करने में सक्षम होगा तथा एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि बन्धकदार विक्रीत
परिसरों या उसके किसी भाग से प्राप्त विक्रय आगम में से क्रेता अथवा क्रेताओं को अचूक रूप से मुक्त करेगा और
एतद्द्वारा घोषित किया जाता है कि बन्धकदार पूर्वोक्त शक्ति के अनुसरण में किए गए विक्रय से प्राप्त धनराशि को
न्यास के रूप में रखेगा, उसमें से सर्वप्रथम ऐसे विक्रय पर उपगत हुए खर्च का भुगतान करेगा, उसके पश्चात् इस
करार की प्रतिभूति पर फिलहाल देय रकमों के भुगतान पर उस धनराशि से रकम लगाएगा और तब शेष (यदि
कोई हो) बन्धककर्ता को देगा तथा एतद्द्वारा यह माना जाता है तथा घोषित किया जाता है कि उक्त नियमों का
इस करार का अंश समझा और माना जाएगा।

बन्धककर्ता, बन्धकग्राही के साथ एतद्द्वारा यह प्रसंविदा करता है कि वह (बन्धककर्ता) अपनी प्रतिभूति के
खालू रहने के दौरान, इस करार और उक्त दाय के संबंध में पालित और अनुष्ठित किए जाने वाले उक्त नियमों
के उपबन्धों और शर्तों के पालन और निष्पादन करेगा।

इसके माध्य स्वरूप बन्धककर्ता ने इस विलेख पर ऊपर लिखी तिथि एवं वर्ष को अपने हस्ताक्षर कर दिए
हैं।

(बन्धककर्ता के हस्ताक्षर)

निम्नलिखित की उपस्थिति में बन्धककर्ता द्वारा हस्ताक्षरित:—

पहला साक्षी

पता

व्यवसाय

दूसरा साक्षी

पता

व्यवसाय

प्रकरण-3

(नियम 7 देखिए)

मघन निर्माण अधिन हेतु प्रतिहस्तांतरण

यह अनुबन्ध विलेख दिनांक को एक पक्षकार के रूप में राज्यपाल हिमाचल प्रदेश (जिन्हें इसके पश्चात् सरकार कहा गया है) एक पक्ष और दूसरे पक्षकार के रूप में श्री भूतपूर्व मध्य हिमाचल प्रदेश विधान सभा (जिसे इसके पश्चात् "बन्धककर्ता" कहा गया है) के बीच किया गया, यह उस बन्धक पत्र के अनुबन्ध विलेख का अनुपूरक है जो कि दिनांक को एक पक्षकार के रूप में बन्धककर्ता और दूसरे पक्षकार के रूप में राज्यपाल के मध्य किया गया था तथा जो पुस्तक के खण्ड पृष्ठ में पर क्रय में पंजीकृत है (जिसे इसके पश्चात् मुख्य अभिलेख कहा गया है) ।

चूंकि मुख्य अभिलेख के अधीन देय राशि अदा कर दी गई है और उक्त विलेख की प्रतिभूति का दायित्व पूर्णतया शोधित है तथा राज्यपाल बन्धककर्ता के निवेदन पर लिखित अनुबन्ध विलेख में अन्तर्विष्ट प्रति हस्तान्तरण जैसा कि एतद उपरान्त समाविष्ट है के लिए सहमत हो गए हैं ।

अब यह अनुबन्ध विलेख इस बात का माक्षी है कि उक्त मुख्य विलेख के अनुसरण में और वचनों के प्रतिफल में राज्यपाल एतद्वारा बन्धककर्ता, उसके वारिस, निष्पादक तथा समनुदेशिनी को भूमि के उन सभी भागों को जो में स्थित है, व उत्तर में में स्थित है, तथा पश्चिम में लगभग तक परिमोमित है तथा जिसमें उन परिसरों से अन्यथा सामहित रूप से उस पर बने निवास स्थान, और बाहुय कार्यालय, अश्वशाला, पाकशाला आदि सम्मिलित है तथा जो मुख्य अनुबन्ध विलेख में अन्तर्विष्ट है या जिनका एतद्वारा बीमाकृत होना अभिव्यक्त है अथवा जो कि अब मुख्य अनुबन्ध विलेख के कारण अथवा इसके विमोचन के अध्यक्षीन किसी भी प्रकार राज्यपाल में निहित उनके अधिकारों, सुविधाओं तथा अनुबन्धकों जैसा कि मुख्य अनुबन्ध विलेख में अभिव्यक्त है तथा मुख्य अनुबन्ध विलेख के कारण उसी परिसर में से अथवा उस पर राज्यपाल के सम्पत्ति सम्पदा अधिकार, स्वत्वाधिकार, हित, सम्पत्ति, प्रभार तथा मांगे जो भी हों, से उन परिसरों जो एतद्वारा इससे पूर्व बन्धककर्ता, उसके वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों तथा उसके प्रयोग के लिए स्वीकृत, नियत तथा प्रतिहस्तांतरित है, को रखने अथवा बनाए रखने के लिए तथा मुख्य अनुबन्ध विलेख द्वारा रक्षित होने के लिए उस मारे धन से अथवा उपरोक्त राशि अथवा उसके किसी भी अंश से अथवा परिसर या मुख्य अनुबन्ध विलेख से संबंध सभी कार्यों, वादों, लेखों, दावों और मांगों से सदा के लिए मुक्त करता है ।

और राज्यपाल एतद्वारा बन्धककर्ता, उसके वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों और समनुदेशितों से प्रसविदा करते हैं कि राज्यपाल ने ऐसा कुछ भी नहीं किया है अथवा इसके लिए जानबूझकर समनुज्ञा नहीं की है अथवा इसके लिए वह एक पक्ष या सहभागी नहीं रहे हैं, जिसके द्वारा उपरोक्त परिवार अथवा इसके लिए किसी भी भाग के लिए उन पर महाभियोग लाया जाए अथवा लाया जा सकता हो, स्वत्वधिकार सम्पदा अथवा इसके अन्यथा जो भी हैं, में परिवन्धन अथवा रुकावट लाई जा सके । इसके साथै स्वरूप इससे सम्बद्ध पक्षकारों ने इस पर ऊपरलिखित दिन और वर्ष को मोहर सहित अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं ।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की ओर से हस्ताक्षरित, मोहर बन्द तथा प्रदत्त किया

1.
2.

की उपस्थिति में ।

प्ररूप-4

(नियम 12 देखें)

मोटर कार के लिए करारनामा

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री , भूतपूर्व सदस्य हिमाचल प्रदेश विधान सभा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उधार लेने वाला कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके वारिस, प्रशासक, निष्पादक, - विधिक- प्रतिनिधि- और समनुदेशित भी सम्मिलित हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल (जिसे इसमें इसके पश्चात् "हिमाचल प्रदेश सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तरवर्ती और समनुदेशित भी सम्मिलित हैं) के मध्य आज दिनांक को किया गया है ।

उधार लेने वाले ने हिमाचल प्रदेश विधान सभा भूतपूर्व सदस्यों के (मोटर कार और भवन निर्माण अग्रिम) नियम, 2005 के अधीन मोटर कार खरीदने के लिए अध्यक्ष को रुपये (केवल) रुपये) के ऋण के लिए आवेदन किया है और सरकार इसमें इसके पश्चात् अन्तर्विष्ट निबन्धनों और शर्तों पर उधार लेने वाले को उधार देने के लिए सहमत हो गई है ।

2. हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा उधार लेने वाले को मु० रुपये (मु० रुपये) की संदत्त राशि के प्रतिफल में पक्षकारों के बीच करार किया जाता है, जिसकी पावती की अभिस्वीकृति उधार लेने वाला सरकार के साथ एतद्वारा करता है कि :—

(1) जैसा कि उक्त नियमों में उपबंधित है, वह विधान सभा के पूर्व सदस्य के रूप में संदेय पेंशन से 60 मासिक कटौतियों द्वारा उक्त नियमों के अनुरूप संगणित ब्याज सहित कथित राशि को सरकार को संदत्त करेगा (जितनी अधिक वसूल की जा सके और शेष उसके द्वारा सरकारी कोष में जमा की जायेगी) और वह सरकार को एतद्वारा ऐसी कटौतियां करने के लिए प्राधिकृत करता है । यदि उधार लेने वाला पेंशन का हकदार न हो तो प्रोदभूत ब्याज सहित मासिक किश्तें उस द्वारा नियमित रूप से सरकारी कोष में जमा की जायेगी तथा वह सरकार को उक्त नियमों में यथा उपबंधित जमा की गई राशि के प्रमाण स्वरूप चालान की प्रति प्रस्तुत करेगा ।

(2) मोटर कार की खरीद पर उक्त ऋण की पूर्ण राशि को व्यय करेगा अथवा यदि संदत्त वास्तविक कीमत ऋण से कम हो तो उनके अन्तर का प्रतिसदाय सरकार को इन विलेखों की तिथि से एक माह के भीतर तत्काल करेगा ; और

(3) उधार लेने वाला यथा पूर्वोक्त उधार ली गई राशि के लिए सरकार के पास प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर कार के बन्धक करने वाले दस्तावेजों और उक्त नियमों द्वारा उपबंधित प्ररूप में ब्याज का निष्पादन करेगा ।

और एतद्वारा यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि यदि इन विलेखों की तिथि उक्त मंहीने के भीतर पूर्वोक्त रूप में मोटर कार क्रय और बंधक नहीं की जाती या उधार लेने वाला उस अवधि के भीतर दिवालिया हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, तो ऋण की पूरी राशि उस पर प्रोदभूत ब्याज सहित तुरन्त देय और संदेय हो जायेगी।

(सरकार उक्त उदत् राशि का "भू-राजस्व" का बकाया के रूप में वसूल करने के लिए स्वतन्त्र होगी)

मके साक्ष्य स्वरूप उधार लेने वाले ने पहले लिखे दिन और वर्ष को इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

उक्त श्री द्वारा हस्ताक्षरित की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

हस्ताक्षर (नाम और पद)
हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और उनकी ओर से
(अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)

1.

2.

(साक्षी के हस्ताक्षर)

उधार लेने वाले का नाम और पदनाम

प्रकरण-5

(नियम 12 देखें)

मोटरकार अधिनियम के लिए बंधक पत्र

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री , भूतपूर्व सदस्य हिमाचल प्रदेश विधान सभा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उधार लेने वाला कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके वारिस प्रशासक, निष्पादक, विधिक प्रतिनिधि और समनुदेशित भी सम्मिलित हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल (जिसे इसमें इसके पश्चात् "हिमाचल प्रदेश सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तरवर्ती और समनुदेशित भी सम्मिलित हैं) के मध्य आज दिनांक को किया गया है।

उधार लेने वाले ने मु० रुपये (केवल मु० रुपये)

के भत्ते और पैनशन-1) अधिनियम, 1971 के अधीन बनाए गए हिमाचल प्रदेश विधान सभा भूतपूर्व सदस्यों के (मोटर कार और भवन निर्माण अधिनियम) नियम, 2005 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है)

के नियम 3 के अनुसार मोटर कार खरीदने के लिए मू०..... रुपये (केवल मू०..... रुपये) का अग्रिम प्रदान किया गया है और एक शर्त यह है कि उधार लेने वाला उक्त मोटर कार की हिमाचल प्रदेश सरकार के पास उधार लेने वाले को दी गई राशि के लिए प्रतिभूति के रूप में बंधक करेगा और उधार लेने वाले ने यथापूर्वोक्त ऐसी अग्रिम राशि के पूर्ण या अंशतः भाग से मोटर कार खरीद ली है, जिसका विवरण अधोलिखित अनुसूची में निर्दिष्ट है :—

अब यह करार इस बात का साक्षी है कि उक्त करार के अनुसरण में और पूर्वोक्त प्रतिकल के लिए (उधार लेने वाला) हिमाचल प्रदेश सरकार को मू०..... रुपये (केवल..... रुपये) की पूर्वोक्त या उसके अविशेष राशि को समान संदाय द्वारा प्रत्येक मास के प्रथम दिन को देगा और तत्समय देय शेष राशि पर व्याज संदत्त करेगा और वकाया की संगणना उक्त नियम के अनुसार करेगा और उधार लेने वाला करार करता है कि ऐसा संदाय श्री..... उसकी पेंशन से उक्त नियमों में उपबंधित रीति में (विधान सभा के पूर्व सदस्य के रूप में संदेय पेंशन से या अथवा) मासिक कटौतियों द्वारा वसूल किया जा सकेगा, और उक्त करार के अनुसरण में उधार लेने वाला आगे हिमाचल प्रदेश सरकार को उक्त अग्रिम और उक्त नियमों द्वारा उस पर अपेक्षित व्याज सहित प्रतिभूत के रूप में मोटर को समनुदेशित और अन्तरिम करता है जिसका विवरण नीचे लिखी अनुसूची में दिया गया है ; और

उधार लेने वाला यह करार करता है कि उसने उक्त मोटर कार की पूर्ण क्रय कीमत संदत्त कर दी है और वह अब उसकी अवाधित सम्पत्ति है और उसने उसे गिरवी नहीं रखा है और उक्त अग्रिम के सम्बन्ध में हिमाचल प्रदेश सरकार को देय धन का वकाया जितने समय तक रहता है वह उस समय तक उक्त मोटरकार को न तो बेचेगा, न गिरवी रखेगा या न उस सम्पत्ति से या कब्जे को विलग करेगा ।

मर्बथा यह करार और घोषणा की जाती है कि यदि मूलधन और व्याज की कोई उक्त किश्तें उसके देय होने से 10 दिन के भीतर उक्त रीति में संदत्त या वसूल नहीं की जायेगी या उधार लेने वाले की मृत्यु हो जाती है, या मोटर कार को बेचता है या गिरवी रखता है या उसे कब्जे से अलग करता है या दिवालिया हो जाता है उसका किसी ऋणी से समझौता या अन्य व्यवस्था करता है या यदि कोई व्यक्ति उधार लेने वाले के विरुद्ध किसी डिग्री के विनिश्चय के निष्पादन में कार्यवाही करना है, तब उक्त रूप में संगणित व्याज सहित समस्त उक्त मूलधन, जो उस समय तक देय और असंदत्त हो, तुरन्त संदेय होगा ।

और यह भी करार किया जाता है कि और घोषणा की जाती है कि हिमाचल प्रदेश सरकार इसमें पूर्ण वर्णित किसी घटना के घटित होने पर उक्त मोटर कार को अधिग्रहण कर सकेगी और उसे हिलाए या बिना हिलाये अपने कब्जे में रख सकेगी या उक्त मोटर कार को लोक निलामी द्वारा या निजी संविदा द्वारा बेच सकेगी और विक्रय राशि में से उस समय तक असंदत्त राशि को यथापूर्वोक्त संगणित देय व्याज सहित शेष अग्रिम और उचित रूप से उपगत समस्त लागतों, प्रभारों, व्ययों और संदायों का, इतद्दीन, उसके अधिकारों को बनाए रखते हुए/अभिरक्षा करते हुए उगाहेगी या उपयुक्त रूप से उपगत संदाय रखेगी और अधिगण, यदि कोई हो, तो उधार लेने वाले, उसके निष्पादक, प्रणामक या व्यक्तिगत प्रतिनिधि को संदत्त करेगी :

परन्तु यह और भी कि पूर्वोक्त कब्जा लेने वाली या उक्त मोटर कार को विक्रय करने की शक्ति उधार लेने वाले या उसके विधिक प्रतिनिधियों के विरुद्ध उपगेष वकफ़्या का देय और व्याज या मोटर कार को बेचे जाने की दशा में, राशि जिसके द्वारा शुद्ध विक्रय आगम देय राशि में कम पड़ते हों, के बारे में मुकुद्मा चलाने के हिमाचल प्रदेश सरकार के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगी :—

उधार लेने वाला आगे यह करार करता कि जब तक हिमाचल प्रदेश सरकार का कोई धन देय और वकाया रहता है, उधार लेने वाला उक्त मोटर कार को अग्नि, चोरी, दुर्घटना द्वारा क्षति या हानि के विरुद्ध किसी सामान्य बीमा कारोबार करने वाली किसी बीमा कम्पनी/निगम के साथ बीमा करेगा और मंपरोक्षा अधिकारी के

समाधान के लिए यह साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि सामान्य बीमा कारबार करने वाली बीमा कम्पनी/निगम में जिसके साथ उक्त मोटर कार बीमाकृत है, ने सूचना प्राप्त कर ली है कि हिमाचल प्रदेश सरकार पॉलिसी में त्रुटिबद्ध है ; और

उधार लेने वाला आगे यह भी करार करता है कि उक्त मोटर कार को नष्ट या क्षतिग्रस्त होने नहीं देगा या उस मात्रा से अधिक क्षति नहीं होने देगा जो उसके युक्ति-युक्त टूट-फूट से होती हो और आगे यह कि उक्त मोटर कार को किसी हानि या दुर्घटना घटने की दशा में, उधार लेने वाला तुरन्त उमकी मुरम्मत करेगा और नुकसान को पूरा करेगा ।

अनुषूची]

मोटर कार का वर्णन
 बनाने वाले का नाम
 विवरण
 सिलेण्डरों की संख्या
 इंजन संख्या
 चेसिस संख्या
 लागत कीमत

इसके साक्ष्य स्वरूप उक्त (उधार लेने वाले का नाम)

हिमाचल प्रदेश सरकार के राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से उक्त ने उपरलिखित दिन और वर्ष को इस पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं ।

उक्त उधार लेने वाले ने
 1.

(प्रथम साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)

2.

(द्वितीय साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से श्री ने

1.

(प्रथम साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)

2.

(द्वितीय साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

(अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)

प्ररूप-6
(नियम-16 देखें)

बीमा पालिसी में जोड़े जाने वाले खण्ड

यह घोषणा की जाती है और करार किया जाता है कि श्री मोटर कार का स्वामी (जिससे इसमें इसके पश्चात् इस पॉलिसी की अनुसूची में बीमाकृत कहा गया है) ने हिमाचल प्रदेश राज्यपाल (जिन्हें इसके पश्चात् सरकार कहा गया है) के पास मोटर कार, खरीदने के लिए अग्रिम हेतु प्रतिभूत के रूप में बंधक कर दी गई है और यह भी घोषणा की जाती है और करार किया जाता है कि उक्त सरकार ऐसे धन में भी हितवद्ध है या यदि यह पृष्ठांक न होता तो उक्त श्री (इस पालिसी के अधीन बीमाकृत) को उक्त मोटर कार की हानियां या नुकसान की बाबत (जिस हानि या नुकसान की प्रतिभूति, मुरम्मत या पूर्णकरण या प्रतिस्थापना द्वारा नहीं की जा सके) को संदेय होगा और ऐसा धन सरकार को उस समय तक दिया जायेगा जब तक कि वह मोटर कार का बन्धकदार है और इनको रसीद इस बात का प्रमाण होगी कि ऐसी हानि या नुकसान का कम्पनी को पूरा और अन्तिम भुगतान कर दिया है।

2. इस पृष्ठांकन द्वारा अभिव्यक्त रूप से जो करार किया गया है, उसके अतिरिक्त उसकी किसी भी बात से बीमाकृत के या कम्पनी के, इस पॉलिसी के अधीन या सम्बन्ध में अधिकार या दायित्व का अथवा इस पॉलिसी के किसी निबन्धन, उपबन्ध या शर्त का न तो रूपान्तरण होगा और न उस पर प्रभाव पड़ेगा।